टर्न लेती पिच पर मोईन अली से गेंदबाजी नहीं करवाना रणनीतिक चूक थी। भारत ने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया और उन्होंने हमारी तुलना में परिस्थितियों से बेहतर सामंजस्य बिठाया। - **जोस बटलर**

इंग्लैंड के कप्तान, सेमीफाइनल में मिली हार पर कहा।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

रोहित शर्मा ने बतौर कप्तान भारत के लिए अपने 5000 रन पूरे कर लिए हैं और विराट कोहली, एमएस धोनी, अजरुद्दीन और सौरव गांगुली की एलीट लिस्ट में शामिल हो गए हैं। भारत के लिए बतौर कप्तान रोहित से पहले इन चारों खिलाड़ियों ने 5 हजार या उससे ज्यादा रन बनाने का कमाल किया था। भारत के लिए बतौर कप्तान सबसे ज्यादा रन बाने वाले खिलाड़ी विराट कोहली हैं जिन्होंने 12883 रन बनाए हैं तो एमएस धोनी 11207 रने के सात दूसरे नंबर, अजहरुद्दीन बतौर कप्तान 8095 रन बनाए थे जबकि गांगुली ने 7643 रन कप्तान के रूप में बनाए थे।

क्या आप जानते हैं ?... जिम्माब्बे के तातेन्द्र तेबु ने मई 2004 में श्रीलंका के विरुद्ध अपनी टीम की कप्तानी करके सबसे कम उम्र का टैस्ट कप्तान बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

आज मिलेगा टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का चैम्पियन

बारबाडोस में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच महाभिड़ंत

टी-20 में 26 मुकाबलों में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 14 बार हराया

भारत जीता तो दूसरी बार तथा दक्षिण अफ्रीका जीता तो पहली बार उठायेगा कप

बारबाडोस, 28 जून। बारबाडोस में शनिवार 29 जून को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल मुकाबला खेला जाना है। भारतीय समयानुसार ये मुकाबला रात 8 बजे खेला जाना है। वहीं भारतीय टीम रोहित शर्मा की अगुवाई में पिछले 11 सालों का सूखा खत्म कर ट्रॉफी अपने नाम करना चाहेगी। जबकि पहले बार फाइनल में पहुंची साउथ अफ्रीकी टीम भी भारत के खिलाफ खिताब जीत कर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करना चाहेगी।

टी20 वर्ल्ड कप में किस टीम का पलड़ा भारी है? आंकड़े बताते हैं कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 मैचों में भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहा है। भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें टी20 फॉर्मेट में 26 बार आमने-सामने हुई है। जिसमें भारत ने साउथ अफ्रीका को 14 बार हराया है, जबकि 1 मैचोंमें हार का सामना करना पड़ा है। भारत और साउथ अफ्रीका की टीमें न्यूट्रल वेन्यू पर 2 बार आमने-सामने हुई है। दोनों बार साउथ अफ्रीकी टीम को हार का सामना करना पड़ा है। इस तरह इन आंकड़ों से साफ हे कि टी20 फॉर्मेट में साउथ अफ्रीका के खिलाप भारतीय टीम का दबदबा रहा है, लेकिन ये देखना मजेदार होगा कि फाइनल में क्या होता है?

टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग इलेवन में रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, कुलदीप यादव और अर्शदीप सिंह। तथा साउथ अफ्रीका की संभावित प्लेइंग इलेवन में क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रीजा हेंड्रिक्स, एडेन मार्कराम (कप्तान), हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को जानसन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्टजे और तबरेज शम्सी होंगे।

मैं टी-20 वर्ल्ड कप जीतना चाहता हूं : द्रविड़

बारबाडोस, 28 जून। भारतीय टीम शनिवार को आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल मैच के लिए बारबाडोस में जब मैदान पर उतरेगी तो कोच के तौर पर इस टीम के साथ राहुल द्रविड़ का ये आखिरी मैच होगा। द्रविड़ का कार्यकाल बीते नवंबर में वनडे वर्ल्ड कप के बाद ही खत्म हो गया था लेकिन टीम प्रबंधन ने टी20 वर्ल्ड कप तक उन्हें इस जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया था। टी20 वर्ल्ड कप के भारतीय प्रसारक ने सोशल मीडिया पर डू इट फॉर द्रविड़ ट्रेंड कर रहा है। वहीं राहुल द्रविड़ ने इस पर कहा कि, इस वैश्विक खिताब को किसी व्यक्ति के लिए नहीं बल्कि टीम के लिए जीतना चाहते हैं। द्रविड़ के लिए वर्ल्ड कप जीतना कोई व्यक्तिगत गौरव का क्षण नहीं होगा ये टीम की उपलब्धी होगी। उनके मुताबिक भारत अगर वर्ल्ड चैंपियन बनता है तो ये टीम के प्रयास और रोहित शर्मा की प्रेरणादयी कप्तानी का परिणाम होगा। द्रविड़ ने अपने विचारों को साफ करते हुए स्टार स्पोर्ट्स से कहा कि मैं बस अच्छा क्रिकेट खेलना चाहता हूं।

शेफाली का दोहरा व मंधाना के शतक से भारत का पहले दिन का स्कोर 500 के पार

शेफाली वर्मा ने एनाबेल सदरलैंड का रिकॉर्ड तोड़ा, महिला टेस्ट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाली बल्लेबाज बनी

चेन्नई, 28 जून। शेफाली वर्मा (205) के एतिहासिक दोहरे शतक और स्मृति मंधाना (149) की शतकीय पारी के साथ भारत की महिला टीम ने शुक्रवार को एकमात्र टेस्ट मैच के पहले दिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार विकेट पर 525 रन बनाकर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। आज यहां एम ए चिदंबरम स्टेडियम में भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने बेहतरीन बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए मैदान के चारों ओर शॉट लगाते हुए पहले विकेट के लिये 292 रनों की रिकार्ड साझेदारी की। 52वें ओवर में डेलमी टकर ने स्मृति मंधाना को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। स्मृति ने 161 गेंदों 27 चौकों और एक छक्के की मदद से (149) रन बनाये।

मंधाना के बाद बल्लेबाजी करने आयी सतीश शुभा (15) रन बनाकर पवेलियन लौट गई। 75वें ओवर में रन लेने के प्रयास में शेफाली वर्मा दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रनआउट हो गई। उन्होंने 197 गेंदों में 23 चौके और आठ छक्के लगाते हुए (205) रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। जेमिमाह रॉड्रिग्स (55) रन बनाकर आउट हुई। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने 98 ओवर में चार विकेट पर 525 रन बनाकर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। दिन का खेल समाप्त होने के समय कप्तान हरमनप्रीत कौर नाबाद (42) और ऋचा घोष नाबाद (43) की पर थी। दक्षिण अफ्रीका की ओर से डेलमी टकर को दो विकेट मिले। नडीन डी क्लर्क ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

ओलंपिक में शामिल होने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रपति ने दी बधाई

नई दिल्ली, 28 जून। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अगले महीने 26 जुलाई से 11 अगस्त तक चलने वाले पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारत 2036 के ओलंपिक की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। राष्ट्रपति ने संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में अपने अभिभाषण में कहा कि, मेरी सरकार के प्रभावी प्रयासों का परिणाम है कि भारत के युवा खिलाड़ी वैश्विक मंचों पर रिकॉर्ड संख्या में पदक जीत रहे हैं। पेरिस ओलंपिक के लिए 100 से ज्यादा भारतीय खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया है, जिसमें रिकॉर्ड 21 निशानेबाज भी शामिल हैं। उनका लक्ष्य पिछले टोक्यो ओलंपिक में देश द्वारा हासिल किए गए अब तक के सर्वश्रेष्ठ सात पदकों से आगे बढ़ने का होगा। राष्ट्रपति ने कहा कि, कुछ ही दिन बाद पेरिस ओलंपिक शुरू होने जा रहा है। ओलंपिक में देश की प्रतिनिधित्व करने वाले हर खिलाड़ी पर हमें गर्व है। मैं उन्हें अपनी शुभकामनाएं देती हूं।

अफगानिस्तान की घरेलू सीरीज की मेजबानी कर सकता है ग्रीनपार्क

कानपुर, 28 जून। लगभग तीन साल बाद ग्रीनपार्क स्टेडियम में एक अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच मिलने के बाद से ही कानपुर में जुलाई-अगस्त में दो देशों के बीच न्यूट्रल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सीरीज आयोजित किये जाने की संभावनाओं को बल मिल गया है। बीसीसीआई ने भारत और बांग्लादेश के मध्य दो टेस्ट मैचों की सीरीज के दूसरे मैच की मेजबानी कानपुर को सौंपी है। यह मैच 27 सितंबर से खेला जायेगा। यह पहला मौका होगा जब बांग्लादेश की टीम कानपुर में खेलेगी। हालांकि इससे पहले भी बांग्लादेश की टीम अफगानिस्तांन के खिलाफ जुलाई-अगस्त में भी यहां खेलती हुई दिखायी पड़ सकती है। अफगानिस्तान की टीम के एक खिलाडी ने पत्रकारों को यूपी को अपना होम क्रिकेट बोर्ड बताया था जिसके बाद से यह संभावनाओं को बल मिल गया था कि अफगानिस्तान अपने होम क्रिकेट बोर्ड के किसी भी मैदान में और किसी भी टीम के साथ सीरीज खेल सकती है।

विराट ने अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन फाइनल के लिए बचाकर रखा है : रोहित

गयाना, 28 जून। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने विराट कोहली का बचाव करते हुए कहा है कि 15 वर्षो तक क्रिकेट खेलने के बाद फॉर्म समस्या नहीं होती, शायद उन्होंने सबसे अच्छा प्रदर्शन फाइनल के लिए बचाकर रखा हैं। इंग्लैंड को सेमीफाइनल में 68 रनों से मात देने के बाद विराट के प्रदर्शन पर पूछे गये सवाल के जवाब में रोहित ने कहा, हम सब उनकी क्लास के बार में जानते हैं। 15 साल खेलने के बाद फॉर्म समस्या नहीं होती। शायद उन्होंने फाइनल के लिए अपने सबसे अच्छे प्रदर्शन को बचाकर रखा हैं। हम एक टीम के रूप में प्रयास कर रहे हैं। फाइनल एक बड़ा अवसर है। स्वयं को शांत रखने से अच्छे फैसले लेने में मदद मिलती है। मुझे लगा कि आज हम एकदम स्थिर थे और घबराए नहीं। हम अपनी पूरा प्रयास करेंगे, टीम अच्छी स्थिति में है। मैं बस इतना उम्मीद कर सकता हूं कि हम फाइनल में अच्छा प्रदर्शन करें। उन्होंने टीम के प्रदर्शन पर कहा, एक टीम के रूप में हमने बहुत मेहनत की और सभी का शानदार प्रदर्शन रहा। हमने परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल लिया और यही आज की सबसे बड़ी चुनौती थी। अगर गेंदबाज और बल्लेबाज स्वयं को परिस्थितियों के अनुसार ढाल लें तो चीजें आसान हो जाती हैं। एक समय पर हमें ऐसा लगा रहा था कि इस पिच पर 140-150 का स्कोर भी सम्मानजनक स्कोर होगा। हालांकि हम बीच के ओवरों में रन बनाने में सफल रहे। मैं और सूर्यकुमार रन लगातार रन बनाने का प्रयास कर रहे थे और सोच रहे थे कि शायद हम 20-25 रन और बना सकते हैं। मैं बस यही चाह रहा था कि हमारे बल्लेबाज अपनी स्वाभाविक तरीके से खेलें। 175 का स्कोर इस पिच पर बेहद अच्छा स्कोर होता। उन्होंने कहा, हमारे गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। अक्षर और कुलदीप कमाल के स्पिनर हैं।

कोपा कप : पनामा ने अमेरिका को हराकर ग्रुप-सी में अपनी उम्मीदें कायम रखीं

अमेरिका, 28 जून जोस फजार्डो के देर से किये गए गोल की बदौलत पनामा ने अमेरिका को गुरूवार रात 2-1 से हराकर कोपा-अमेरिका के क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदें कायम रखीं। मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम में 18वें मिनट में टूर्नामेंट के मेजबान को 10-पुरुषों तक सीमित कर दिया गया था जब टिमोथी वेह को रॉडरिक मिलर पर एक हिंसक चैलेंज के लिए सीधे लाल कार्ड दिखाया गया था।

शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस झटके के बावजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका चार मिनट बाद फोलारिन बालोगुन के माध्यम से आगे बढ़ गया, जिन्होंने एंटोनी रॉबिन्सन के साथ तालमेल के बाद बाएं पैर से शॉट लगाकर गेंद को शीर्ष-दाएं कोने में पहुंचा दिया।

राइट-बैक सीज़र ब्लैकमैन ने 18-यार्ड बॉक्स के बाहर से निचले प्रयास से गोलकीपर मैट टर्नर को हराकर लगभग तुरंत ही बराबरी कर ली। पनामा ने गेंद पर लगभग 75 फीसदी कब्जे को नियंत्रित किया और संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक पास पूरे किए, जो पीछे बैठकर अपने विरोधियों पर पलटवार करने से संतुष्ट थे।

हालाँकि, मध्य अमेरिकी टीम के पास अन्य विचार थे, और फजार्डो ने अब्दील अयार्ज़ा के पास के बाद 12 गज की दूरी से गोल करके बढ़त दोगुनी कर दी। मैच में एक और मोड़ तब आया जब पनामा के एडलबर्टो कैरासक्विला ने समय से दो मिनट पहले क्रिश्चियन पुलिसिक को गिरा दिया, एक ऐसा अपराध जिसके कारण ह्यूस्टन डायनेमो के मिडफील्डर को सीधे लाल कार्ड मिला।

लेकिन पनामा ने देर से आए दबाव को झेलते हुए टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल की। थॉमस क्रिस्टियनसेन की टीम अब ग्रुप सी में तीसरे स्थान पर है, उसके अंक उरुग्वे और संयुक्त राज्य अमेरिका के बराबर हैं लेकिन गोल अंतर के कारण तीसरे स्थान पर है।

त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल में

टेक्सास, 28 जून। त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी यूएस ओपन 2024 बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला युगल स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई। गुरुवार को अमेरिका में टेक्सास के फोर्ट वर्थ कन्वेंशन सेंटर में खेले गये मुकाबले में त्रिशा-गायत्री की भारतीय जोड़ी ने एक गेम से पिछड़ने के बाद विश्व नंबर 83 सीह पेई शान और हंग एन-त्ज़ु को 16-21, 21-11, 21-19 से हराया।

भारतीय जोड़ी को 16 ऑफ राउंड के मुकाबले में अपने विरोधियों को हराने में 54 मिनट लगे। क्वार्टरफाइनल में त्रिशा-गायत्री का मुकाबला रुई हिरोकामी और जापान की युना काटो से होगा। वहीं प्रियांश राजावत भी चीनी ताइपे के हुआंग यू काई को हराकर पुरुष एकल स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं। प्रियांश ने अपने प्रतिद्वंद्वी को 35 मिनट में 21-18, 21-16 से हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया। क्वार्टरफाइनल में प्रियांशु का मुकाबला चीन के लेई लान शी से होगा। इस बीच, भारत की मालविका बंसोड़ ने दूसरे दौर में चेक गणराज्य की टेरेज़ा स्वाबिकोवा को 15-21, 21-19, 21-14 से हराया।

रूपल चौधरी को एथलीट बनने के लिए करनी पड़ी थी भूख हड़ताल

अब पेरिस में दिखायेंगी दमखम

नई दिल्ली, 28 जून। उत्तर प्रदेश के मेरठ से आने वाली रूपल चौधरी ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इस युवा एथलीट के लिए यहां तक का सफर तय करना आसान नहीं था। रूपल को एथलेटिक्स को करियर बनाने के लिए पिता के सामने भूख हड़ताल तक करनी पड़ी थी। पश्चिमी यूपी के मेरठ से लगभग 15 किलोमीटर दूर जैनपुर गांव में लड़कियां नहीं दौड़ती हैं।

स्पोर्ट्स स्टार से बातचीत में रूपल के पिता ओमवीर चौधरी ने कहा, 'हमारा एक पारंपरिक गांव है।' ओमवीर गन्ना किसान हैं। रूपल ने साल 2016 में एथलेटिक्स को करियर बनाने का फैसला लिया। रूपल ने नेशनल फेडरेशन कप में प्रिया मोहन जैसी खिलाड़ी को पछाड़कर खूब सुर्खियां बटोरीं। रूपल चौधरी ने कहा, 'मैंने रियो ओलंपिक 2016 में पीवी सिंधु और साक्षी मलिक को पदक जीतते हुए देखा। इसके बाद मैंने भी एथलीट बनने का फैसला लिया। मैं यह नहीं जानती थी कि इसके लिए मुझे क्या करना होगा, लेकिन मैंने ये फैसला लिया।'

मेरठ में एक ही स्टेडियम है। लेकिन ओमवीर बेटी को वहां ले जाने के लिए राजी नहीं थे। बकौल रूपल, ' पहले वह (पिता) मुझे स्टेडियम ले जाने के लिए राजी हो गए। लेकिन बाद में वह कोई ना कोई बहाना करके टालने लगे। उन्हें संभवत: ऐसा लगा कि बाद में मैं अपना फैसला बदल लूंगी।'

जापान में आयोजित हुई एशियन वॉक रेस चैम्पियनशिप के जरिए परमजीत बिष्ट ने पेरिस ओलंपिक के लिए किया क्वालीफाई

नई दिल्ली, 28 जून। उत्तराखंड के चमोली जिले के खिलाड़ी लगातार देश और दुनिया में अपना जलवा बिखेर रहे हैं। इसी क्रम में जापान में आयोजित हुई एशियन वॉक रेस चैंपियनशिप में 9 वां स्थान पाकर परमजीत बिष्ट ने अगले महीने होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए अपना टिकट कटवा चुके हैं। इससे पहले भी परमजीत बिष्ट कई मेडल जीत चुके हैं। उन्होंने दिल्ली में आयोजित पहले खेलो इंडिया गेम्स में 5 किमी वॉक रेस में गोल्ड मेडल जीता था। वहीं, परमजीत बिष्ट के इस उपलब्धि पर चमोली जिले में खुशी की लहर है। उनकी सफलता ने युवाओं को यह संदेश दिया है कि कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ कोई भी अपने सपनों को साकार कर सकता है।

परमजीत का जन्म उत्तराखंड के चमोली जिले की मंडल घाटी के खल्ला गाँव में 3 मार्च 2002 को हुआ था। वे राजकीय इंटर कॉलेज बैरागना के पूर्व छात्र हैं जहाँ उन्हें व्यायाम शिक्षक गोपाल बिष्ट ने प्रशिक्षित किया। वर्तमान में परमजीत खेल कोटे से भारतीय नौसेना में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं। परमजीत ने अपनी इस उपलब्धि से पहले भी कई प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया है। परमजीत के इस शानदार प्रदर्शन से पूरा देश गौरवान्वित है। उनकी इस सफलता से भारत को 2024 पेरिस ओलंपिक में एथलेटिक्स में पदक की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। आने वाले समय में परमजीत से देश को और भी बड़ी उपलब्धियों की आशा है। उन्होंने हांगकांग में आयोजित एशियन यूथ चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता था। परमजीत बिष्ट लगातार अपने खेल में सुधार करने की कोशिश करते हैं। जापान में आयोजित एशियन रेस वॉकिंग चैंपियनशिप की 20 किमी वॉक रेस में नौवां स्थान हासिल कर परमजीत ने पेरिस ओलंपिक-2024 और वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

नंगे पैरों से अभ्यास शुरू करने वाले उत्तराखंड के लाल सूरज पंवार पेरिस में दमखम दिखाने को तैयार

नई दिल्ली, 28 जून। उत्तराखंड के उभरते सितारे और युवा एथलेटिक्स सूरज पंवार ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अब सूरज जुलाई में पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। आज सूरज विश्वस्तरीय एथलीट के तौर पर जाने जाते हैं, लेकिन दून के एक छोटे से गांव से निकल कर विश्वस्तर पर अपनी पहचान बनाना उनके लिए आसान नहीं था। अक्टूबर 2018 में सूरज ने यूथ ओलंपिक में रजत पदक जीता था। वो यूथ ओलंपिक में ट्रैक एंड फील्ड इवेंट में पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट हैं। सूरज बचपन से ही एथलीट बनना चाहते थे, उन्होंने रेस की प्रैक्टिस शुरू की और धीरे-धीरे ये उनका जुनून बन गया। वॉकरेस अंडर-18 सूरज पंवार ने 2017 थाईलैंड में आयोजित एशियन एथलेटिक चैंपियनशिप में प्रतिभाग किया।

दो बार के ओलंपियन मो. अनस लगातार दूसरी पेरिस ओलंपिक में लगायेंगे 400 मीटर की दौड़

नई दिल्ली, 28 जून। भारत के सर्वश्रेष्ठ 400 मीटर के धावकों में शामिल दो बार के ओलंपियन मोहम्मद अनस याहिया लगातार तीसरी बार ओलंपिक गेम्स में दमखम दिखाने को तैयार हैं। पिछले प्रदर्शन को देखते हुए उनका पदक का दावा मजबूत माना जा रहा है। मोहम्मद अनस पूरे एशिया के रनिंग इवें में अपनी चमक बिखेर चुके हैं। वह ट्रैक पर भारत के सबसे प्रतिभाशाली सितारों में से एक हैं। 400 मीटर में भारत के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक इस खिलाड़ी ने एशियाई खेलों, एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीते हैं। इसके अलावा वह केएम बीनू और मिल्खा सिंह के बाद ओलंपिक में भाग लेने वाले केवल तीसरे भारतीय क्वार्टर-मिलर हैं, उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में हासिल किया था। इसके अलावा वह राष्ट्रीय रिकॉर्ड-ब्रेकिंग 4400 मीटर रिले टीम का भी हिस्सा थे, जिसने 2016 रियो ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व किया था। मोहम्मद अनस ने भले ही रियो ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया लेकिन उस दौरान उन्हें अपने बचपन के प्रेरणास्त्रोत उसैन बोल्ट से मिलने का मौका मिला। एक इंटरव्यू में अनस ने कहा, इवेंट के दौरान मिली प्रेरणा अद्भुत थी। उस दौरान मुझे उसैन बोल्ट सहित कई इंटरनेशनल एथलीट्स से मिलने का मौका मिला। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से मिला अनुभव और आत्मविश्वास शानदार है। इस इवेंट में हिस्सा लेकर खेल के प्रति मेरा पूरा दृष्टिकोण उस प्रदर्शन के साथ बदल गया। भारतीय धावक ने 2018 में शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई खेलों में दो रजत और एक स्वर्ण पदक जीता। मिक्स्ड 4400 मीटर रिले में गोल्ड जीता, जहां उन्होंने हिमा दास, एमआर पूवम्मा और अरोकिया राजीव के साथ संयुक्त रूप से इस इवेंट में 3:15.71 सेकेंड का नेशनल रिकॉर्ड बनाया। इसी वर्ष बाद में इस खिलाड़ी ने एशियाई खेलों में तीन रजत पदक जीते और मिल्खा सिंह के बाद कॉमनवेल्थ गेम्स में कांस्य जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बने। इसके अलावा 400 मीटर दौड़ में उन्होंने एक बार फिर नया रिकॉर्ड बनाया। इसके बाद मोहम्मद अनस 400 मीटर के नेशनल रिकॉर्ड दो बार तोड़ चुके हैं। उनका मौजूदा रिकॉर्ड 45.21 सेकेंड का है। उनकी उपलब्धियों के लिए भारतीय सरकार ने साल 2019 में उन्हें अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया। -19 के चलते लगे विराम के बाद मोहम्मद अनस मेंस 4 400 मीटर रिले टीम को टोक्यो 2020 में एक जगह पक्की करने में मदद करने के लिए ट्रैक पर वापस लौट आए। हालांकि, कोई भी टीम टोक्यो में हीट से आगे नहीं बढ़ सकी। लेकिन मोहम्मद अनस एक यादगार अनुभव और रिकॉर्ड के साथ वापस लौटे। यूजीन में 2022 विश्व चैंपियनशिप में जापान द्वारा एशियन रिकॉर्ड को 2:59.51 समय के साथ फिर तोड़ा गया, लेकिन एक साल बाद बुडापेस्ट में उसी चैंपियनशिप में, अनस ने अमोज जैकब, मुहम्मद अजमल और राजेश रमेश के साथ मिलकर हीट रेस के दौरान 2:59:05 समय के साथ रिकॉर्ड को फिर से हासिल किया। उसी भारतीय चौकड़ी ने हांगझोऊ में एशियन गेम्स 2023 में 3:01.58 का समय दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

विश्वकप के खिताबी सूखे को खत्म करने के लिए भारत को बेखौफ खेलते रहना होगा : गांगुली

कोलकाता, 28 जून। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम को बेखौफ खेलकर 11 साल के खिताबी सूखे को खत्म करने की सलाह देते हुए शुक्रवार को कहा कि टीम को इस मुकाम तक लाने में रोहित शर्मा की कप्तानी का अहम योगदान रहा है।

भारतीय टीम बारबाडोस के ब्रिजटाउन में खेले जाने वाले मैच में जीत की दावेदार है। टीम के लिए 2013 की चैंपियंस ट्रॉफी के बाद वैश्विक खिताबी सूखे को खत्म करना चाहेगी।। गांगुली ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, ''मैं रोहित शर्मा के लिए बहुत खुश हूं। यही जीवन का चक्र है कि जो छह महीने पहले वह मुंबई इंडियंस का कप्तान भी नहीं थे अब उसकी अगुवाई में भारत विश्व कप के फाइनल में खेलेगा।'' भारतीय क्रिकेट बोर्ड के इस पूर्व अध्यक्ष ने खुलासा किया कि विराट कोहली के कप्तानी छोड़ने के बाद रोहित इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए तैयार नहीं थे। गांगुली ने कहा, ''रोहित दो विश्व कप फाइनल खेले हैं। यहां अब तक टीम का अभियान अजेय रहा है। यह उनकी नेतृत्व के गुणों को दर्शाता है।

मुझे उनकी सफलता पर आश्चर्य नहीं है क्योंकि वह तब कप्तान बने जब मैं बीसीसीआई अध्यक्ष था। उस समय विराट कोहली कप्तानी नहीं करना चाहते थे।'' उन्होंने कहा, ''उन्हें कप्तान की जिम्मेदारी लेने के लिए मनाने में बहुत समय लगा क्योंकि वह इसके लिए तैयार नहीं थे। उन्हें कप्तान बनाने में हम सभी को बहुत मेहनत करनी पड़ी और मैं उनके नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट की प्रगति को देखकर बहुत खुश हूं।'' उन्होंने कहा, '' कोहली को पारी का आगाज करना जारी रखनी चाहिए। उन्होंने सात महीने पहले ही विश्व कप में 700 रन बनाए थे। वह इंसान हैं, कभी-कभी असफल भी होगा।

आपको इसे स्वीकार करना होगा। कोहली, (सचिन) तेंदुलकर, (राहुल) द्रविड़ जैसे लोग भारतीय क्रिकेट के लिए संस्थान हैं। तीन-चार मैच उन्हें कमजोर खिलाड़ी नहीं बनाते। कल फाइनल में वह कमाल कर सकते हैं।'' गांगुली ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के उस बयान को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने आईसीसी पर स्पिनरों की मददगार पिच तैयार कर भारतीय टीम का समर्थन करने का आरोप लगाया था।

बल्लेबाजी के दौरान ही जान लिया था कि इस विकेट पर कैसी गेंदबाजी करनी है : अक्षर

गयाना, 28 जून। भारतीय स्पिन गेंदबाज अक्षर पटेल ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में जब वह बल्लेबाजी कर रहे थे तो उन्हें पता चल गया था कि इस पर विकेट पर कैसे गेंदबाजी करनी है।

मैच के बाद अक्षर कहा, मुझे बल्लेबाजी के दौरान ही पता लग गया था कि क्या करना है और क्या नहीं। इस विकेट पर बल्लेबाजो को गति देना मतलब उनका काम आसान करना था। गुड लेंथ पर गेंदबाजी करना बेहतर था और मैंने जब भी गुड लेंथ पर गेंदबाजी की तो कोई भी मेरी गेंद पर हिट नहीं लगा पाया। पावरप्ले में गुड लेंथ पर गेंदबाजी आवश्यकता थी।

उन्होंने कहा, मैंने पहली ही गेंद पर विकेट लेने की योजना नहीं बनाई थी, बस मेरा ध्यान सही लेंथ पर गेंदबाजी करना था। जब आप नॉकआउट खेलते हैं तो चाहते हैं कि आपकी शुरुआत अच्छी हो और आप अपने स्पेल को समाप्त भी सही ढंग से करें। पावरप्ले में गेंदबाजी करना कठिन होता है, लेकिन जब आपको विकेट से मदद मिल रही हो तो आप बिना कुछ अलग और अतिरिक्त किए अधिक सोचे सब कुछ सामान्य रखना चाहते हैं, मैंने वही किया और इससे मुझे मदद मिली। पारी के ब्रेक के दौरान हमने इस पर चर्चा की थी कि यह विकेट बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं है और मुझे यह भी पता था कि वे मुझ पर आक्रमण करने जाएंगे। चूंकि गेंद बल्ले पर अच्छे से नहीं आ रही है, इसलिए मुझ पर पीछे जाकर या फिर सीधा मारना आसान नहीं होगा।